स्तनपान आकलन प्रपत्र

माँ का नाम: _____शिशु का नाम:_____शिशु की जन्म तिथि: _____

पहली मूल्यांकन की तिथि: _____ शिशु का जन्म पर वज़न: _____

देखे गए प्रतिकूल व्यवहार पर निशान लगाएं	देखे गए प्रतिकूल व्यवहार पर निशान लगाएं
माँ की तैयारी	
माँ को शिशु के शुरुआती भूख के संकेत जैसे शिशु का इधर-उधर देखना, मुंह खोलना और मुंह में उंगली डालना मालूम है।	माँ शिशु के रोने पर ही उस को स्तनपान कराती है।
माँ साबुन और पानी से हाथ धोती है।	माँ साबुन और पानी से हाथ नहीं धोती ।
स्तनपान कराने से पहले माँ एक गिलास पानी पीती है।	स्तनपान कराने से पहले माँ पानी नहीं पीती है।
माँ आराम से बिस्तर पर या फर्श पर पीठ के सहारे सीधी बैठी है।	माँ के कंधे झुके हुए हैं। उसकी पीठ को किसी भी चीज़ का सहारा नहीं है और वो शिशु के ऊपर झुकी हुई है।
माँ ने ढीले कपड़े पहने हैं।	माँ ने तंग कपड़े पहने हैं।
शिशु के कंबल, टोपी, हाथ-पैर के मोजे हटाकर माँ उसे जगाती है	वह शिशु को कुछ पल के लिए बैठाती है और फिर स्तनपान कराने के लिए अपने करीब लाती है।	माँ शिशु के कंबल, टोपी, हाथ-पैर के मोजे नहीं हटाती है और शिशु को जगाने के लिए उसे बैठाती नहीं है	जब शिशु को करीब लाया जाता है तब उसे नींद आ रही होती है	
शिशु की स्थिति - अब यहाँ पर शिशु दाहिने स्तन से दूध पिएगा	
माँ के बाएं हाथ से शिशु के सिर, पीठ, कूल्हे और पैरों को पूरी तरह से सहारा मिलता है।	शिशु के पूरे शरीर को सहारा नहीं मिला है, केवल कंधे/सिर को सहारा मिला है।
शिशु के कान, कंधे और कूल्हे का जोड़ एक ही रेखा में हैं।	शिशु के कान, कंधे और कूल्हे का जोड़ एक ही रेखा में हैं।
शिशु के सिर के निचले हिस्से को माँ के बाएं अंगूठे और उंगलियों से पकड़ा हुआ है। माँ का अंगूठा एक कान के पीछे है । उंगलियां दूसरे कान के पीछे हैं।	माँ ने शिशु के सिर को सही तरीके से सहारा नहीं दिया है। स्तनपान कराते समय सिर के पिछले हिस्से पर इतना दबाव डाला है कि शिशु अपना सिर घुमा नहीं पा रहा है।
शिशु का चेहरा माँ के स्तन की ओर है। शिशु की छाती और मां की छाती एक-दूसरे को छू रहे हैं। शिशु क्षैतिज स्थिति में है।	शिशु का चेहरा माँ के चेहरे की ओर है। शिशु की छाती माँ की छाती को नहीं छू रही है। माँ के शरीर से शिशु की छाती या तो दूर है या फिर ऊपर की ओर उठी हुई है। शिशु विकर्ण तिरछे /आढ़ी स्थिति में है।
बच्चे के नितंब का निचला हिस्सा माँ की कोहनी के अंदरूनी हिस्से पर टिकाया जाता है।	बच्चे के नितंब का निचला हिस्सा माँ की कोहनी के अंदरूनी हिस्से पर नहीं टिकाया जाता है।
जब शिशु बिल्कुल क्षैतिज स्थिति में होता है और दाये स्तन से स्तनपान करता है तो उसका ऊपरी होंठ 9 बजे की स्थिति और निचला होंठ 3 बजे की स्थिति में होता है । इस प्रकार उस के होंठ बिल्कुल लंबवत होते हैं।	जब दाहिने स्तन पर दूध पिलाते समय शिशु तिरछे /आढ़ी स्थिति में होता है, तो शिशु के होंठ एरिओला पर लंबवत स्थिति में नहीं आ रहे हैं।
माँ शिशु की ठोड़ी को आगे कर के स्तन पर इस तरह लाती है कि शिशु के नाक के नथूने स्तन के निप्पल के सीध में हो। ऐसा करने से, यह सुनिश्चित होगा कि शिशु की गर्दन थोड़ी पीछे की ओर है बिलकुल वैसे जैसे पानी पीते हुए हमारी गर्दन भी थोड़ी पीछे की ओर होती है।	शिशु के गर्दन को पीछे किये बिना स्तन पर लाया जाता है । यहां या तो शिशु की नाक माँ के निप्पल से ऊपर होती है या नाक की सिर्फ़ नोक ही निप्पल की सीध में होती है। साथ ही शिशु की गर्दन आगे की ओर झुकी हुई है।
शिशु का स्तन से गहरे जुड़ाव के लिए एरिओला के निचले भाग को दबाना	
माँ स्तन को इस तरह पकड़ती है कि उस की उँगलियाँ शिशु के होंठों के समानांतर होती हैं।	माँ स्तन को इस तरह पकड़ती है कि उसकी उँगलियाँ शिशु के होंठों के समानांतर नहीं होती हैं।
माँ की उंगलियों और निप्पल के बीच में लगभग 3 उंगलियों जितना अंतर है।	माँ की उंगलियां या तो निप्पल के बहुत करीब हैं या बहुत दूर हैं।
माँ स्तन को पर्याप्त रूप से दबा रही है ताकि शिशु के लिए एरिओला के निचले भाग से गहरा जुड़ाव होना आसान हो जाए।	माँ स्तन को पर्याप्त रूप से नहीं दबा रही है इसलिए शिशु का एरिओला से गहरा जुड़ाव नहीं है।
माँ शिशु को स्तन पर ला रही है।	माँ स्तन को शिशु की तरफ धकेल रही है। वो शिशु को स्तन पर नहीं ला रही है।
एरीओला के निचले भाग से शिशु को गहराई से जुड़वाना	
शिशु का मुँह 120 -160 डिग्री तक खुलवाने के लिए माँ अपने निप्पल को शिशु के ऊपरी होंठ पर छुआती है।	माँ शिशु का बड़ा मुँह पूरी तरह से खोलने खुलवाने की कोशिश नहीं करती है और जल्दबाज़ी में अपने निप्पल को शिशु के मुँह में धकेल देती है पर शिशु का मुँह 120 डिग्री से कम खुला हुआ है।
अगर एरिओला बड़ा होता है तो शिशु का निचला होंठ एरिओला के सीमा पर होता है। जब एरिओला छोटा होता है तो शिशु का निचला होंठ माँ के स्तन पर होता है और ऊपरी होंठ निप्पल की सीमा पर होता है।	शिशु का निचला होंठ निप्पल के ठीक नीचे है और ऊपरी होंठ या तो निप्पल की सीमा पर या एरिओला की सीमा पर है।
स्तन पर शिशु के मुँह की पकड़ जांचने के लिए माँ दाएं हाथ की तर्जनी से शिशु के निचले होंठ की तरफ अपने स्तन को दबाती है।	माँ स्तन पर शिशु के मुँह की पकड़ को खुद अपनी उँगली से स्तन को दबाकर नहीं जांचती।
शिशु के होंठ और उसकी ठोड़ी स्तन में बिलकुल गड़े हुए हैं । जब शिशु स्तनपान करता है तो वे बिलकुल दिखाई नहीं देते हैं।	शिशु के होंठ और उसकी ठोड़ी स्तन में गड़े हुए नहीं हैं । जब शिशु स्तनपान करता है तो वे दिखाई देते हैं।
गहरे जुड़ाव की जाँच करते समय, एरीओला का सिर्फ ऊपरी भाग ही दिखाई देता है	एरीओला का निचला भाग दिखाई नहीं देता है। यदि माँ का एरीओला छोटा है, तो एरीओला का ऊपरी और निचला हिस्सा दोनों ही शिशु के मुंह में होते हैं।	गहरे जुड़ाव की जांच करते समय, जिन माओं का एरीओला बड़ा है, उन के एरीओला का ऊपरी भाग दिखाई नहीं देता क्योंकि वह शिशु के मुंह में होता है।
शिशु के गाल भरे हुए और गोल दिखते हैं। गालों में गड्ढे भी नहीं पड़ते हैं।	शिशु के गाल पतले और खाली दिखते हैं। गालों में गड्ढे भी दिखाई देते हैं।
स्तन पर से शिशु को छुड़ाते समय, माँ अपनी छोटी उंगली शिशु के मुँह के अंदर, कोने में डाल देती है ताकि शिशु स्तन को छोड़ दे ।	माँ अपनी छोटी उंगली शिशु के मुँह के अंदर बिना डाले ही उसे खींच कर स्तन पर से छुड़ाती है।
महत्वपूर्ण परामर्श बिंदु	
शिशु के मुँह का स्तन से गहरा जुड़ाव जाँचने के बाद, माँ स्तन को अपने हाथ से छोड़ देती है। वह उस हाथ से शिशु के शरीर को सहारा देती है। वह सुनिश्चित करती है कि शिशु के सिर को उस के दूसरे हाथ से सही तरह से सहारा मिल रहा है।	शिशु के मुँह का स्तन से गहरा जुड़ाव जाँचने के बाद भी माँ स्तन को अपने हाथ से पकड़ कर रखती है। वह उस हाथ से शिशु के शरीर को सहारा नहीं देती है। वह दूसरे हाथ से शिशु के सिर को सहारा नहीं देती है ।
माँ 24 घंटों में शिशु को 10-12 बार स्तनपान कराती है।	24 घंटों में माँ शिशु को 10 से कम बार स्तनपान कराती है।
माँ शिशु को रात में 3 से 4 बार स्तनपान कराती है।	माँ शिशु को रात में 3 से कम बार स्तनपान कराती है।
माँ शिशु को दोनों स्तनों से स्तनपान करने का मौका देती है।	माँ एक ही स्तन से शिशु को स्तनपान कराती है।
एक स्तन से पूरी तरह दूध पिलाने के बाद ही माँ शिशु को दूसरे स्तन से दूध पिलाती है।	माँ शिशु को दोनों स्तनों से 5 मिनट से भी कम समय तक दूध पिलाती है और स्तनों को पूरी तरह खाली भी नहीं करती।
माँ हाथ से अपने स्तन का दूध निकालती है यह जांचने के लिए की दूध पतला है या गाढ़ा है| जब गाढे दूध की कुछ बूँदें ही निकलें तो ही वह दूसरे स्तन से शिशु को दूध पिलाती है।	हाथों से स्तन का दूध निकालकर स्तन पूरी तरह से खाली हुआ हैं या नहीं यह जांचे बिना ही माँ दूसरे स्तन से स्तनपान करने की कोशिश करती हैं।

					माँ को हाथों से स्तन के दूध को निकालने का तरीका आता है जो है - स्तन को पकड़ कर हलके से पीछे धकेलना, दबाना और फिर छोड़ना						माँ को स्तन को पकड़ कर उसे हलके से पीछे धकेलना, दबाना और फिर छोड़ कर हाथों से दूध निकलना नहीं आता है।
					माँ शिशु को डकार दिलाने के लिए बैठने वाली स्थिति में पकड़ती हैं।						माँ शिशु को डकार दिलवाने के लिए उसे अपने कंधे पर रखती है।